III

Date: / /

विदेशों में प्रसार कार्य

विदेशो में प्रसार कार्य को विशेष महत्व दिया गया तथा इसे प्राप्ति का पर्याय का पर्याय माना गया है। अमेरिका, जापान इजराइल आदि देशो से प्रसार कार्यक्रमो को गम्भीरता के साथ लिया गया तथा सरकार के साथ-2 नागरिकों ने भी इनमें अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया।

अमेरिका →

औद्योगीकरण के विकास के साथ शहरो में रोजगार के अवसर बढ़े तथा मजदूरी-दर में भी वृद्धि हुई। इसके फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रो मे बसने वाले शहरों की ओर आकर्षित होने लगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी में कमी आने लगी। ग्रामीणों का शहरों की ओर पलायन रोकने के लिए ही ग्रामों में रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा ग्रामीण आमदनी को बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए गए तथा प्रसार कार्य पर बल दिया गया।

अन्य देशों मे प्रसार-कार्य →

फिलिपीन्स में प्रसार कार्य तीन स्तरों पर सम्पादित होता है। राष्ट्रीय, प्रांतीय तथा म्यूनिसिपल स्तर पर प्रशासन जनसम्पर्क, प्रशिक्षण कार्यक्रम नियोजन विशेषज्ञ सेवा मूल्यांकन जैसे कार्य केन्द्रीय कार्यालय

Date: / /

द्वारा सम्पादित होती है।

नेपाल →

नेपाल एक छोटा-सा देश है। यहाँ के 65% जन-समुदाय का मुख्य धंधा कृषि है। नेपाल की जमीन पहाड़ी है। नेपाल में प्रजातांत्रिक शासन का इतिहास बहुत पुराना नहीं है। यहाँ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास कार्यक्रम छठे दशक में बनाए गए। ग्रामीण विकास कार्यक्रम तीन स्तरों पर विभाजित है। राष्ट्रीय स्तर पर जिला स्तर पर तथा ग्रामीण स्तर पर लगभग 100 गाँवों पर एक-2 विकास खण्ड बनाए गए हैं।

बर्मा →

कृषि-प्रसार कार्य बर्मा में साधन रूप से राष्ट्रीय प्रभंडलीय जिला नगरीय तथा ग्रामीण स्तर पर चलाया जाता है। आबादी का एक बड़ा भाग प्रसार-कार्य से जुड़ा है। तथा इनमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कृषकों की समितियाँ है जो कृषि-विकास में लगी हुई हैं। इन समितियों में विशेषज्ञ क्षेत्रों में कार्यरत हैं। कृषकों की समितियाँ है जो कृषि-विकास में लगी हुई है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया